भक्त-चरितावली

[दूसरा भाग]

(भावुक भक्त)

लेखक

श्री० प्रभुदत्त ब्रह्मचारी

प्रकाशक

हिन्दी प्रेस, प्रयाग

प्रथम वार १५००] सन् १९२९ [मूल्य १)

मुद्रक और प्रकाशक
रघुनन्दन शर्म्मा, हिन्दी प्रेस, प्रयाग

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ
(अ) समर्पण	
(ब) प्रेम-प्रसंग	३
(स) प्रेम-हाट	१४
१—चैतन्य महाप्रभु श्रीगौराङ्गदेव	३६
२—छः गोस्वामीगण	६६
३—सूरदासजी	८३
४—महात्मा हितहरिवंशजी	१०१
५—महात्मा हरिदास स्वामी	१०८
६—भक्त रामप्रसादजी	१२४
७—परम भागवत श्रीनन्ददासजी	१३६
८—मीराबाई	१४२
९—भक्तवर नरसी मेहता	१६३
१०—परमभक्त श्रीसाधु तुकारामजी	१७६
११—रसिकवर श्रीरसखानिजी	१९६
१२—अनन्यभक्त नागरीदासजी	२०९
१३—सहजोबाई और दयाबाई	२२७
१४—परमहंस श्रीरामकृष्णदेव	२३४
१५—प्रेममूर्त्ति महाप्रभु जगत्बन्धु	२६६


भूमिका

समर्पण

न गुरोरधिकं तत्त्वं न गुरोरधिकं तपः।
तत्वज्ञानात् परंनास्ति तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥
मन्नाथः श्रीजगन्नाथो मद्गुरुः श्रीजगद्गुरुः।
मदात्मा सर्वभूतात्मा तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥

समर्पण

न गुरोरधिकं तत्त्वं न गुरोरधिकं तपः।
तत्वज्ञानात् परंनास्ति तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥
मन्नाथः श्रीजगन्नाथो मद्गुरुः श्रीजगद्गुरुः।
मदात्मा सर्वभूतात्मा तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥